Series **E1GFH/1**

Set No. 3

प्रश्न-पत्र कोड **29/1/3**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

नोट

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **19** हैं ।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **14** है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।

(iii) **खण्ड अ** में 48 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(iv) **खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।

(v) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

(vi) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

चित्रकार, मूर्तिकार, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हार, लोहार जैसी सभी ख़ूबियाँ गुरु में समाहित हैं । शिष्य का अज्ञान मिटाने की उनमें अद्‌भुत शक्ति है । गुरु वह है जो अंधकार को मिटाकर प्रकाश की ओर ले जाए । अंधकार के मिटने पर प्रकाश अपने आप आ जाता है । गुरु को कहीं खोजने की आवश्यकता नहीं है । शिष्य को तो वे स्वयं खोज लेते हैं । ज्ञान की तड़प एक-दूसरे को नजदीक खींच लाती है ।

जैसे ही होनहार शिष्य मिलता है, गुरु का काम शुरू हो जाता है । जैसे कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए उचित मिट्टी तलाशता है, उसे छानता है, मथता है और फिर चाक पर चढ़ा उसे बर्तन का रूप देता है । जैसे चित्रकार के मस्तिष्क में चित्र पहले बनता है, बाद में वह उसी हिसाब से उसे कागज पर रंगों की सहायता से उकेरता है और जैसे मूर्तिकार के मन में पहले मूर्ति आकार लेती है, उसके बाद वह मूर्ति बनाता है, ठीक वैसी ही स्थिति गुरु की है । वह शिष्य के अज्ञानरूपी अंधकार को मिटा उसमें ज्ञान का प्रकाश भर अपने जैसा बनाता है ।

गुरु-शिष्य परंपरा में शिष्य के साथ गुरु का नाम पहले आता है । यह अमुक गुरु का शिष्य है — ऐसा कहा जाता है । गुरु अपने एक-एक शब्द से शिष्य में अवतरित होता है । जो शिष्य पूरी तरह से अपने गुरु को समर्पित है, उसके जीवन में एक समय आता है जब वह गुरु की आराधना और उपासना करते-करते स्वयं गुरुमय हो जाता है । शिष्य की वृत्ति सद्‌गुरु में घुल-मिल जाती है । उसकी प्रत्येक चेष्टा में, हावभाव में, वाणी में गुरु का ही प्रतिबिंब नजर आता है । इतना ही नहीं, उसकी आकृति भी गुरु जैसी हो जाती है । कई की तो वाणी भी गुरु जैसी ही हो जाती है । वाणी, विचार, वृत्ति, वेशभूषा सबमें जब सद्‌गुरु अवतरित होते हैं, तब यह नहीं पूछना पड़ता कि तुम्हारा गुरु कौन है ? तब तो यह, शिष्य को देखते ही पता चल जाता है ।

https://www.evidyarthi.in/

गुरु अपने शिष्य से माँ से भी ज्यादा दुलार और प्यार करते हैं । इस प्रकार गुरुतत्त्व शिष्य परंपरा में अविनाशी बन जाता है । गुरु परंपरा के माध्यम से यह अविनाशी गुरुतत्त्व हमेशा शिष्य को प्रकाश देता रहता है ।

गुरु हमारी नौका के कर्णधार हैं । गुरु के चरण की ज्योति का स्मरण करना दिव्य दृष्टि का ही स्मरण करना होता है । गुरु की चरण रज आँख में लगाने का अंजन है, जिससे आत्मदृष्टि के दोष दूर होते हैं ।

(i) गद्यांश में अच्छे गुरु के मिलने का कारण बताया गया है :

(a) गुरु में विद्यमान अनेक ख़ूबियाँ

(b) शिष्य का अज्ञान मिटाने की शक्ति

(c) ज्ञान लेने-देने की दोनों की व्याकुलता

(d) अंधकार मिटाने की ललक

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही ***नहीं*** है ?

(a) कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए उचित मिट्टी तलाशता है ।

(b) चित्रकार मस्तिष्क में पहले चित्र बनाता है ।

(c) गुरु पहले शिष्य में ज्ञान भर देता है ।

(d) मूर्तिकार के मन में पहले मूर्ति आकार लेती है ।

(iii) भारतीय संस्कृति में 'अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाने के लिए' किस कथन को महत्त्वपूर्ण माना गया है ?

(a) मृत्योर्मा अमृतं गमय

(b) असतो मा सद्गमय

(c) तमसो मा ज्योतिर्गमय

(d) सत्यमेव जयते

https://www.evidyarthi.in/

(iv) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : गुरु हमारी नौका के कर्णधार हैं ।

कारण (R) : गुरु की चरण-रज आँख में लगाने का अंजन है ।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(b) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है ।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।

(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है ।

(v) गद्यांश के अनुसार निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है ?

(a) गुरु के साथ शिष्य का नाम पहले आता है ।

(b) शिष्य के साथ उसके पिता का नाम पहले आता है ।

(c) शिष्य के साथ गुरु का नाम पहले आता है ।

(d) शिष्य के साथ उसके गाँव का नाम पहले आता है ।

(vi) शिष्य के व्यक्तित्व में गुरु का प्रतिबिंब कब दिखाई देता है ?

(a) दिन-रात गुरु के आश्रम में रहकर गुरुमय हो जाने पर

(b) गुरु की आराधना और उपासना करते-करते गुरुमय हो जाने पर

(c) हमेशा गुरुमुख से शब्दों के सुनते रहने पर गुरुमय हो जाने पर

(d) सदा गुरु का अनुकरण कर गुरुमय हो जाने पर

https://www.evidyarthi.in/

(vii) गद्यांश के आधार पर शिष्य से उसका परिचय प्राप्त करने की आवश्यकता कब ***नहीं*** रहती ?

(a) जब शिष्य की आकृति गुरु जैसी हो जाती है ।

(b) जब शिष्य की वाणी गुरु जैसी हो जाती है ।

(c) जब शिष्य की वेशभूषा गुरु जैसी हो जाती है ।

(d) जब शिष्य की वाणी-विचार, वृत्ति, वेशभूषा गुरु जैसी हो जाती है ।

(viii) गुरु के विद्यमान नहीं रहने पर शिष्य की क्या स्थिति होती है ?

(a) गुरु की छाया उसका मार्गदर्शन करती है

(b) अविनाशी गुरुतत्त्व शिष्य को प्रकाश देता है

(c) गुरु की प्रार्थना से उसका मार्गदर्शन होता है

(d) शिष्य गुरु को भूल अपने को समर्थ मानता है

(ix) गुरु की तुलना माँ से क्यों की गई है ?

(a) माँ से भी अधिक स्नेह, दुलार देने के कारण

(b) माँ के समान शिष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के कारण

(c) माँ की तरह रक्षा करने के कारण

(d) माँ की तरह भलाई करने की चाह रखने के कारण

(x) 'गुरु चरण रज' की तुलना किससे की गई है ?

(a) आँख की पुतली से

(b) आँख की नजर से

(c) आँख के रोग से

(d) आँख के अंजन से

https://www.evidyarthi.in/

2. नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं, किसी ***एक*** काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

काव्यांश – 1

(क) परंपरा को अंधी लाठी से
मत पीटो
उसमें बहुत कुछ है
जो जीवित है
जीवनदायक है
जैसे भी हो
ध्वंस से बचा रखने
लायक है ।

पानी का छिछला होकर
समतल में दौड़ना
यह क्रांति का नाम है
लेकिन घाट बाँधकर
पानी को गहरा बनाना
यह परंपरा का नाम है

परंपरा और क्रांति में
संघर्ष चलने दो
आग लगी है, तो
सूखी डालों को जलने दो
मगर जो डालें
आज भी हरी हैं
उन पर तो तरस खाओ
मेरी एक बात तुम मान लो
लोगों की आस्था के आधार

https://www.evidyarthi.in/

टूट जाते हैं
उखड़े हुए पेड़ों के समान
वे अपनी जड़ों से छूट
जाते हैं

परम्परा जब लुप्त होती है,
सभ्यता अकेलेपन के
दर्द में मरती है
कलमें लगाना जानते हो
तो जरूर लगाओ
मगर ऐसी कि फलों में
अपनी मिट्टी का स्वाद रहे ।
और ये याद रहे
परंपरा चीनी नहीं मधु है ।।

(i) काव्यांश में आए 'परंपरा' शब्द का आशय है :

(a) किसी समुदाय की प्रथा जो समयानुसार छोड़ी और अपनाई जाती हो

(b) किसी समुदाय की प्रथा जो लोगों की जानकारी के बिना अपनाई गई हो

(c) किसी समुदाय की प्रथा या नियम जो बिना व्यवधान के शृंखला रूप में जारी रहती हो

(d) किसी समुदाय की नियमावली जो इच्छानुसार अपनाई जा सकती हो

(ii) कवि ने परंपरा को ध्वंस से बचाने के लिए क्यों कहा है ?

(a) वह हमारे समाज के विकास में अवरोध प्रदान करती है

(b) वह हमारे समाज के लिए एकरूपता और सुरक्षा प्रदान करती है

(c) वह हमारे समाज में अंधविश्वास पैदा करती है

(d) वह हमारे समाज में विचार करने की शक्ति छीनती है

https://www.evidyarthi.in/

(iii) कवि ने काव्यांश में क्रांति को छिछला पानी क्यों कहा है ?

(a) उस विचारधारा में उथला पानी मिला है

(b) उस विचारधारा में समाज विकसित होगा

(c) उस विचारधारा में गंभीरता का अभाव है

(d) उस विचारधारा में समाज समृद्ध होगा

(iv) काव्यांश में 'हरी डालें' किनकी प्रतीक हैं ?

(a) सूखी उथली नदियाँ

(b) उपयोगी जीवित परंपराएँ

(c) सामाजिक भ्रांतियाँ

(d) पेड़ों की फल वाली डालियाँ

(v) परंपरा समाप्त होने को कवि ने माना है :

(a) अंधविश्वास का समाप्त हो जाना

(b) आस्था का समूल नष्ट होना

(c) अंधविश्वास का पनपना

(d) पेड़ों का गिर जाना

(vi) काव्यांश में किस युग्म का संबंध अटूट माना गया है ?

(a) परंपरा-अनुष्ठान

(b) परंपरा-सभ्यता

(c) वृक्ष-मूल

(d) आस्था-विश्वास

(vii) 'कलमें लगाने' का अर्थ है :

(a) कलम चलाना

(b) नए पौधे लगाना

(c) नए विचार लाना

(d) नया संसार बसाना

https://www.evidyarthi.in/

(viii) कवि चीनी और मधु में क्या अंतर बताना चाहता है ?

(a) चीनी सुखद – मधु दुखद

(b) चीनी अस्थायी – मधु स्थायी

(c) चीनी मधुर – मधु-कटु

(d) चीनी में मिलावट – मधु प्राकृतिक

अथवा

काव्यांश – 2

(ख) राह में मुश्किल होगी हजार
तुम दो कदम बढ़ाओ तो सही
हो जाएगा हर सपना साकार
तुम चलो तो सही तुम चलो तो सही
मुश्किल है पर इतना भी नहीं
कि तू कर न सके
दूर है मंज़िल लेकिन इतनी भी नहीं
कि तू पा न सके
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही ।

एक दिन तुम्हारा भी नाम होगा;
तुम्हारा भी सत्कार होगा
तुम कुछ लिखो तो सही,
तुम कुछ आगे पढ़ो तो सही,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही ।

सपनों के सागर में कब तक गोते लगाते रहोगे,
तुम एक राह चुनो तो सही,
तुम उठो तो सही, तुम कुछ करो तो सही,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही ।

https://www.evidyarthi.in/

कुछ ना मिला तो कुछ सीख जाओगे,
ज़िंदगी का अनुभव साथ ले जाओगे,
गिरते पड़ते संभल जाओगे,
फिर एक बार तुम जीत जाओगे ।
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही ।

(i) काव्यांश की पंक्ति 'हो जाएगा हर सपना साकार' पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि सपने कब साकार होते हैं ।
   (a) जागी आँखों से सपने देखने से
   (b) काल्पनिक लोक में विचरण करने से
   (c) उन्हें पाने की कोशिश करने से
   (d) योजनाएँ बनाने से

(ii) 'सपनों के सागर में गोते लगाने' से कवि का क्या अभिप्राय है ?
   (a) सपनों रूपी सागर में डुबकियाँ लगाना
   (b) कल्पना लोक में ही योजनाएँ बनाते रहना
   (c) दिन-रात सपने देखते रहना
   (d) काल्पनिक सुख का अनुभव करना

(iii) 'एक दिन तुम्हारा भी नाम होगा' — पंक्ति में 'नाम' से कवि का क्या अभिप्राय है ?
   (a) समाज में विशिष्ट पहचान होना
   (b) संबोधन के लिए पहचान होना
   (c) सामाजिक पहचान होना
   (d) नामकरण संस्कार होना

(iv) 'जीवन में असफलताएँ भी व्यक्ति को बहुत कुछ सिखाकर जाती हैं' — भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है :
   (a) राह में मुश्किल होगी हजार
   (b) तुम एक राह चुनो तो सही
   (c) फिर एक बार तुम जीत जाओगे
   (d) कुछ ना मिला तो कुछ सीख जाओगे

https://www.evidyarthi.in/

(v) इस कविता का स्वर है :

(a) आशावादी

(b) यथार्थवादी

(c) आदर्शवादी

(d) निराशावादी

(vi) 'दूर है मंज़िल लेकिन इतनी भी नहीं
कि तू पा न सके'
— पंक्ति से कवि की किस विशेषता का पता चलता है ?

(a) दृढ़ता

(b) उदारता

(c) भावुकता

(d) दूरदर्शिता

(vii) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : गिरते पड़ते संभल जाओगे,
फिर एक बार तुम जीत जाओगे ।

कारण (R) : विपरीत परिस्थितियों का सामना कर निरंतर गतिमान रहने से ही सफलता मिलती है ।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(b) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है ।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।

(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है ।

(viii) इस कविता का प्रमुख संदेश है :

(a) जीवन में लिखना-पढ़ना चाहिए

(b) दिन-रात चलते रहना चाहिए

(c) अकर्मण्यता को छोड़ लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए

(d) सपनों के सागर से बाहर निकलना चाहिए

https://www.evidyarthi.in/

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *6×1=6*

फ़ारसी कवियों की उक्तियों को हिंदी कवियों की उक्तियों के साथ मिलाने में उन्हें बड़ा आनंद आता था । वे रात को प्रायः रामचरितमानस और रामचन्द्रिका, घर के सब लोगों को एकत्र करके बड़े चित्ताकर्षक ढंग से पढ़ा करते थे । आधुनिक हिंदी साहित्य में भारतेंदुजी के नाटक उन्हें बहुत प्रिय थे । उन्हें भी वे कभी-कभी सुनाया करते थे । जब उनकी बदली हमीरपुर जिले की राठ तहसील से मिर्जापुर हुई तब मेरी अवस्था आठ वर्ष की थी । उसके पहले ही से भारतेंदु के संबंध में एक अपूर्व मधुर भावना मेरे मन में जगी रहती थी । 'सत्य हरिश्चंद्र' नाटक के नायक राजा हरिश्चंद्र और कवि हरिश्चंद्र में मेरी बाल-बुद्धि कोई भेद नहीं कर पाती थी । 'हरिश्चंद्र' शब्द ने दोनों की एक मिली-जुली भावना एक अपूर्व माधुर्य का संचार मेरे मन में करती थी ।

(i) गद्यांश में आए शब्द 'चित्ताकर्षक' का अर्थ है :

(a) मन को चित्त करने वाली

(b) मन को रुलाने वाली

(c) मन को दुखाने वाली

(d) मन को मोहने वाली

(ii) गद्यांश में कौन किसके बारे में कह रहा है ?

(a) जयशंकर प्रसाद – भारत के बारे में

(b) बदरीनाथ गौड़ – श्रीराम शर्मा के बारे में

(c) रामचन्द्र शुक्ल – अपने पिता के बारे में

(d) रामवृक्ष बेनीपुरी – महादेवी वर्मा के बारे में

(iii) लेखक के पिता को आनंद आता था :

(a) भारतेंदु हरिश्चन्द्र के नाटकों को देखने में

(b) फ़ारसी-हिंदी कवियों की उक्तियों को परस्पर मिलाने में

(c) धार्मिक कथाओं की रचना करने में

(d) सत्य हरिश्चन्द्र नाटक का अभिनय करने में

https://www.evidyarthi.in/

(iv) राजा हरिश्चंद्र और भारतेंदु हरिश्चंद्र के बारे में लेखक की धारणा थी :

(a) दोनों में अंतर है

(b) दोनों एक ही हैं

(c) दोनों कवि हैं

(d) दोनों गायक हैं

(v) गद्यांश में लेखक द्वारा स्वयं के लिए प्रयुक्त 'बाल-बुद्धि' शब्द प्रतीक है :

(a) अनपढ़ होने का

(b) अनुभवहीनता का

(c) अज्ञानता का

(d) असफलता का

(vi) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : भारतेंदु के संबंध में एक अपूर्व मधुर भावना मेरे मन में जगी रहती थी ।

कारण (R) : भारतेंदु जी के नाटकों को पिताजी कभी-कभी सुनाया करते थे ।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(b) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है ।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।

(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ किस उपन्यास का अंश है ?

(a) सेवासदन

(b) रंगभूमि

(c) गोदान

(d) कर्मभूमि

https://www.evidyarthi.in/

(ii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में लेखक ने माँ की तुलना किससे की है ?

(a) कमल से

(b) हरसिंगार से

(c) बत्तख से

(d) साँप से

(iii) 'आज की सभ्यता इन नदियों को अपने गंदे पानी के नाले बना रही है ।' — यह कथन किस पाठ के संदर्भ में है ?

(a) आरोहण

(b) अपना मालवा खाऊ उजाड़ू सभ्यता में

(c) सूरदास की झोंपड़ी

(d) बिस्कोहर की माटी

(iv) पर्यावरण संरक्षण के लिए हमारा दायित्व है :

(a) नदियों के जल को प्रदूषित होने से बचाना

(b) वनों और जंगलों को काटकर समतल भूमि बनाना

(c) बड़े-बड़े संयंत्र लगाकर चलाना

(d) प्लास्टिक थैलियों का अधिकाधिक प्रयोग करना

(v) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि वर्तमान समाज की माताओं द्वारा नवजात शिशु को दूध नहीं पिलाने का संभावित कारण है :

(a) बाज़ार में डिब्बे का पर्याप्त दूध मिल जाना

(b) दूध पिलाने के लिए समयाभाव होना

(c) दूध पिलाने में पीड़ा होने का अनुभव

(d) अपने शारीरिक सौंदर्य को बनाए रखना

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) इन्टरनेट पत्रकारिता के अधिक लोकप्रिय होने का कारण है :

(a) प्रिंट माध्यमों का लाभ मिलना

(b) तत्काल ख़बरों की पुष्टि न होना

(c) तीव्र गति से ख़बरों का पहुँचाया जाना

(d) दृश्य माध्यमों का लाभ मिलना

https://www.evidyarthi.in/

(ii) रेडियो समाचार की भाषा कैसी होनी चाहिए ?

(a) संस्कृतनिष्ठ तत्सम शब्दों की बहुलता वाली

(b) आम बोलचाल के शब्दों वाली

(c) केवल मुहावरों वाली

(d) सामासिक शब्दों वाली

(iii) उल्टा पिरामिड शैली में समाचार लिखने में किन ककारों पर ध्यान दिया जाता है ?

(a) क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे

(b) क्या, कौन, कब, कहाँ, किधर, किसे

(c) कैसे, क्यों, किधर, किसको, किन्हें, किसे

(d) क्यों, कैसे, किधर, किसको, किन्हें, किसे

(iv) हिंदी की ज़्यादातर साइटें क्यों नहीं खुलतीं ?

(a) तकनीकी जानकारी के अभाव के कारण

(b) डायनमिक फ़ौंट की अनुपलब्धता के कारण

(c) हिंदी के बेलगाम फ़ौंट के कारण

(d) की-बोर्ड के मानकीकरण न होने के कारण

(v) बीट किसे कहते हैं ?

(a) संवाददाताओं को उनकी शिक्षा के आधार पर दिया गया काम

(b) संवाददाताओं को उनके पद के आधार पर दिया गया काम

(c) संवाददाताओं को उनकी रुचि और ज्ञान के आधार पर दिया गया काम

(d) संवाददाताओं को दिया गया अपराध संबंधी काम

6. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *6×1=6*

श्रमित स्वप्न की मधुमाया में,
गहन-विपिन की तरु-छाया में,
पथिक उनींदी श्रुति में किसने –
यह विहाग की तान उठाई ।

https://www.evidyarthi.in/

लगी सतृष्ण दीठ थी सबकी,
रही बचाए फिरती कबकी ।
मेरी आशा आह ? बावली
तू ने खो दी सकल कमाई ।।

(i) 'यह विहाग की तान उठाई' पंक्ति में 'विहाग' शब्द का अर्थ है :

(a) वियोगावस्था में गाया जाने वाला राग

(b) अर्धरात्रि में गाया जाने वाला राग

(c) वर्षा के समय गाया जाने वाला राग

(d) एकांत में गाया जाने वाला राग

(ii) 'स्वप्न की मधुमाया' का भाव है :

(a) सपनों के भ्रमपूर्ण जंगल

(b) पेड़ों की गहरी छाया

(c) सुख की कामना वाले मीठे स्वप्न

(d) नींद भरा आलस्य

(iii) 'दीठ' शब्द का अर्थ क्या है ?

(a) पीठ

(b) दृष्टि

(c) संघर्ष

(d) प्यास

(iv) देवसेना स्वयं को सबकी प्यासी नजरों से क्यों बचाती थी ?

(a) लोकलाज के कारण

(b) स्कंदगुप्त के विरह से पीड़ित होने के कारण

(c) स्कंदगुप्त से मिलने की आशा के कारण

(d) करुणापूर्ण गीत गाने के कारण

https://www.evidyarthi.in/

(v) काव्यांश में आशा को बावली कहा गया है :

(a) देवसेना का जीवन संघर्षपूर्ण होने के कारण

(b) देवसेना की इच्छापूर्ति के असंभव होने के कारण

(c) देवसेना की कामना पूर्ण हो जाने के कारण

(d) देवसेना का भाग्य से हार मान लेने के कारण

(vi) काव्यांश में देवसेना के जीवन की किस बेला का चित्रण किया गया है ?

(a) प्रातः-बेला

(b) रात्रि-बेला

(c) संध्या-बेला

(d) मध्याह्न-बेला

खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न) 40 अंक

7. निम्नलिखित तीन शीर्षकों में से किसी ***एक*** शीर्षक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) जब नदी में अचानक नाव डगमगाने लगी

(ख) सुख बाँटने से बढ़ता है

(ग) लालच बुरी बलाय

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) 'कविता रचने की कला' दूसरी कलाओं की तरह सिखाई क्यों नहीं जा सकती ? कविता की कला सीखने के लिए शब्दों से कैसे खेला जाता है ? उदाहरण सहित समझाइए ।

(ख) कहानी लिखने में संवादों का क्या महत्त्व होता है ? कहानी में संवाद कैसे होने चाहिए और क्यों ?

(ग) नाटक को वर्तमान काल में ही क्यों घटित होना पड़ता है ? कारण सहित उत्तर लिखिए ।

https://www.evidyarthi.in/

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) रेडियो समाचार लेखन की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ख) स्तंभ लेखन किसे कहते हैं ? समाचार-पत्र में इन्हें कहाँ प्रकाशित किया जाता है ?

10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) 'सरोज स्मृति' कविता की पंक्ति 'आकाश बदलकर बना मही' में 'आकाश' और 'मही' शब्द किनको संकेतित कर रहे हैं ?

(ख) 'तोड़ो' कविता में 'पत्थर' और 'चट्टान' शब्द के प्रतीकार्थ को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) विद्यापति के पद के आधार पर लिखिए कि कोयल और भौरों के कलरव का नायिका पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

11. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : *6*

(क) नैन चुवहिं जस माँहुट नीरू । तेहि जल अंग लाग सर चीरू ।।
टूटहिं बुंद परहिं जस ओला । बिरह पवन होई मारैं झोला ।।
केहिक सिंगार को पहिर पटोरा । गियँ नहिं हार रही होइ डोरा ।।
तुम्ह बिनु कंता धनि हरुई, तन तिनुवर भा डोल ।
तेहि पर बिरह जराइ कै, चहै उड़ावा झोल ।।

अथवा

(ख) कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि,
मूदि रहए दु नयान ।
कोकिल-कलरव, मधुकर-धुनि सुनि,
कर देइ झाँपइ कान ।।
माधब, सुन-सुन बचन हमारा ।
तुअ गुन सुंदरि अति भेल दूबरि —
गुनि-गुनि प्रेम तोहारा ।।

https://www.evidyarthi.in/

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) 'बालक बच गया' पाठ में उसकी उम्र से ऊपर कौन-से प्रश्न पूछे गए ?

(ख) 'ढेले चुन लो' पाठ के अनुसार आप अपने आस-पास दिखाई देने वाले किसी अंधविश्वास के बारे में लिखिए ।

(ग) अराफात के आतिथ्य-प्रेम से संबंधित किन्हीं दो घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *3*

(क) 'बिस्कोहर की माटी' शीर्षक पाठ में लेखक के द्वारा बरसात के वर्णन को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

(ख) 'तो हम सौ लाख बार बनाएँगे' इस कथन के संदर्भ में सूरदास के चरित्र की चारित्रिक विशेषता लिखिए ।

14. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

जो समझता है कि वह दूसरों का उपयोग कर रहा है वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उसका अपकार कर रहे हैं वह भी बुद्धिहीन है । कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है ? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है; अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार । किसी को उससे सुख मिल जाए, बहुत अच्छी बात है; नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परंतु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए । सुख पहुँचाने का अभिमान यदि ग़लत है तो दुख पहुँचाने का अभिमान तो नितरां ग़लत है । दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं ।

https://www.evidyarthi.in/